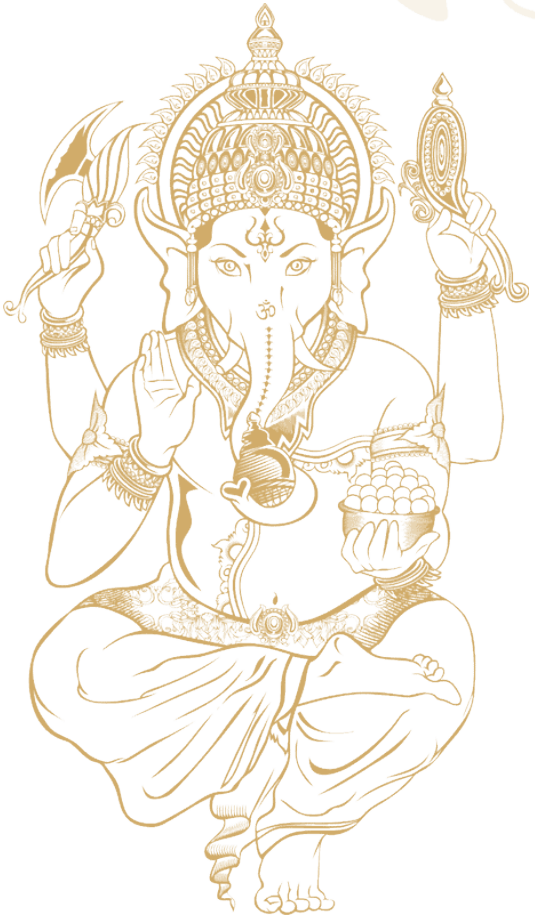

Miss Gargi Joshi

28 Sep 2001

12:45 PM

Sirsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 119054002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/09/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:45:00 घंटे**
इष्ट	15:59:15 घटी
स्थान	**Sirsa**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:32:00 उत्तर
रेखांश	75:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:15:16 घंटे
वेलान्तर	00:09:18 घंटे
साम्पातिक काल	12:43:49 घंटे
सूर्योदय	06:21:18 घंटे
सूर्यास्त	18:19:04 घंटे
दिनमान	11:57:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:21:28 कन्या
लग्न के अंश	03:08:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	धृति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	03:08:42	326:54:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	11:21:28	00:58:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	सम राशि
चंद्र			मक	24:29:38	11:49:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	17:04:04	00:36:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			तुला	05:08:59	00:21:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			मिथु	19:50:36	00:06:25	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	14:56:12	01:13:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	21:05:29	00:00:09	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	07:50:43	00:07:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	07:50:43	00:07:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:27:38	00:01:30	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:13:21	00:00:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:00:32	00:01:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	18:01:58	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:36

लग्न-चलित

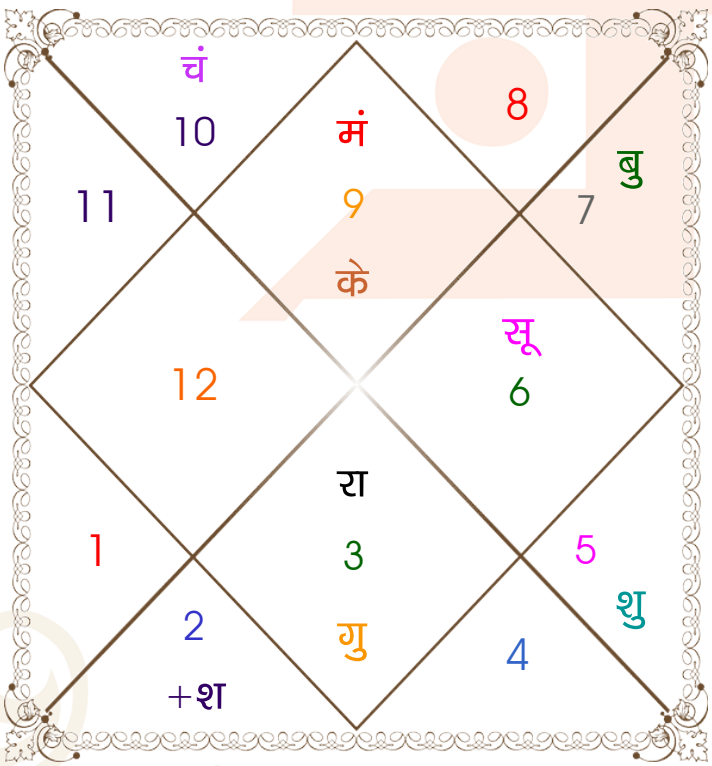

चन्द्र कुंडली

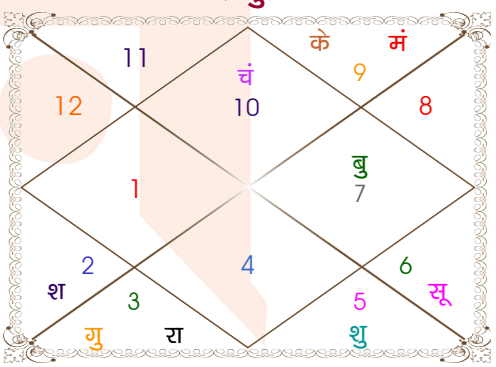

नवमांश कुंडली

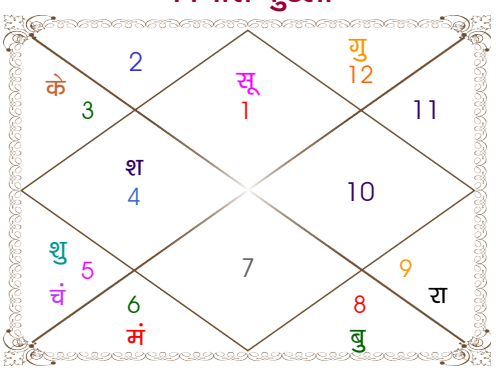

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 4 मास 20 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/09/2001		18/02/2008		18/02/2026		18/02/2042		17/02/2061	
18/02/2008		18/02/2026		18/02/2042		17/02/2061		18/02/2078	
	28/09/2001	राहु	31/10/2010	गुरु	07/04/2028	शनि	21/02/2045	बुध	17/07/2063
राहु	04/08/2002	गुरु	26/03/2013	शनि	19/10/2030	बुध	01/11/2047	केतु	13/07/2064
गुरु	11/07/2003	शनि	31/01/2016	बुध	24/01/2033	केतु	09/12/2048	शुक्र	14/05/2067
शनि	19/08/2004	बुध	19/08/2018	केतु	31/12/2033	शुक्र	09/02/2052	सूर्य	20/03/2068
बुध	16/08/2005	केतु	07/09/2019	शुक्र	31/08/2036	सूर्य	21/01/2053	चंद्र	19/08/2069
केतु	12/01/2006	शुक्र	07/09/2022	सूर्य	19/06/2037	चंद्र	22/08/2054	मंगल	16/08/2070
शुक्र	14/03/2007	सूर्य	01/08/2023	चंद्र	19/10/2038	मंगल	01/10/2055	राहु	05/03/2073
सूर्य	20/07/2007	चंद्र	30/01/2025	मंगल	25/09/2039	राहु	07/08/2058	गुरु	11/06/2075
चंद्र	18/02/2008	मंगल	18/02/2026	राहु	18/02/2042	गुरु	17/02/2061	शनि	18/02/2078

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2078		17/02/2085		18/02/2105		19/02/2111		18/02/2121	
17/02/2085		18/02/2105		19/02/2111		18/02/2121		00/00/0000	
केतु	17/07/2078	शुक्र	19/06/2088	सूर्य	08/06/2105	चंद्र	20/12/2111	मंगल	18/07/2121
शुक्र	16/09/2079	सूर्य	19/06/2089	चंद्र	08/12/2105	मंगल	20/07/2112	राहु	29/09/2121
सूर्य	22/01/2080	चंद्र	18/02/2091	मंगल	15/04/2106	राहु	19/01/2114		00/00/0000
चंद्र	22/08/2080	मंगल	19/04/2092	राहु	09/03/2107	गुरु	21/05/2115		00/00/0000
मंगल	18/01/2081	राहु	20/04/2095	गुरु	26/12/2107	शनि	20/12/2116		00/00/0000
राहु	06/02/2082	गुरु	19/12/2097	शनि	07/12/2108	बुध	21/05/2118		00/00/0000
गुरु	12/01/2083	शनि	18/02/2101	बुध	14/10/2109	केतु	20/12/2118		00/00/0000
शनि	21/02/2084	बुध	20/12/2103	केतु	19/02/2110	शुक्र	20/08/2120		00/00/0000
बुध	17/02/2085	केतु	18/02/2105	शुक्र	19/02/2111	सूर्य	18/02/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।